हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 संत रविदास ने आपसी प्रेम और एकजुटता की सीख दी...

14 नप के खुले दरबार में गूंजा गंदे पानी की सप्लाई ...

बजट 2026

किसी ने सराहा तो किसी ने नकारा

इस बार कई बदलाव किए गए हैं, जिस वजह से कुछ चीजों की कीमतों में कमी आई है, जबकि कई चीजों की कीमतों में इजाफा हुआ

सरकार ने हर वर्ग का रखा ध्यान, विपक्ष के नेताओं ने बजट को पूरी तरह खोखला एवं युवाओं के लिए निराशाजनक बताया

भिवानी। बागकोठी स्थित कार्यालय में बजट सुनते विधायक घनश्याम सर्राफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को पेश किए गए केंद्रीय बजट किसी वर्ग के लिए राहत का पिटारा खोलने वाला तो किसी तबके को कुछ नहीं मिलने से आहत नजर आए। इसी तरह विपक्षियों ने बजट को आंकड़ों का खेल और बुनियादी सुविधाओं की योजनाए न देने पर फेल घोषित किया गया। सता पक्ष के लोगों का तर्क था कि केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2047 तक राष्ट को विकसित राष्ट्र बनाए जाने का खाका खींचा है। उक्त बजट से देश की अर्थव्यवस्था व आत्मनिर्भरता को पंख लग जाएंगे। वहीं विपक्षियों ने गरीब व मध्यम वर्ग के लिए कुछ भी न देने का आरोप लगाया।

संतुलित बजट से खींचा 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का खाका : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट अति सराहनीय है। यह बजट वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का खाका खींच कर प्रस्तुत करता है। इस बजट के लागू होने के बाद देश की अर्थव्यवस्था गति पकड़ेगी। इस बजट में हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाने की घोषणा महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। एमएसएमई सेक्टर के लिए विकास निधि और रेयर-अर्थ कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट्स से स्थानीय स्तर पर लाखों नौकरियों के अवसर सृजित होंगे।

आम बजट करेगा विकसित भारत के सपनों को साकार : मीना परमार

देश का आम बजट विकसित भारत के संकल्पों को साकार करने वाला है। ये विचार हरियाणा भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीना परमार ने प्रेस को जारी बयान के माध्यम से व्यक्त किए । श्रीमती परमार ने सर्व समावेशी बजट जारी करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद करते हुए कहा कि देश का आम बजट देश एवं हरियाणा प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की ओर अग्रसर करने वाला बजट है । उन्होंने कहा की बजट में महिला आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया गया है जिसके तहत बजट में महिलाओं के स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए सी मार्ट बनाने की व्यवस्था की गई है।

लाखों परिवारों का आर्थिक बोझ कम होगा : जगत कौशिक

बजट 2026-27 विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला दिखाई दे रहा है। बजट में सरकार ने आम आदमी की जेब का ख्याल रखते हुए न केवल रोजमर्रा की वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी घटाई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी घोषणाएं की हैं। भाजपा के बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने इसे ऐतिहासिक और जन-हितैषी करार दिया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया यह बजट सीधे तौर पर आम आदमी की रसोई और मध्यम वर्ग की बचत से जुड़ा है। कैंसर और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं को ड्यूटी फ्री करना मोदी सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। इससे लाखों परिवारों का आर्थिक बोझ कम होगा।

किसानों से छलावा: अशोक कादियान

हरियाणा कांग्रेस सेवा दल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कादियान ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जिसे सुधार का नाम दे रही है, वह वास्तव में किसानों के साथ एक बड़ा छलावा है। कादियान के अनुसार इस बजट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा की प्राथमिकताओं में अन्नदाता कहीं भी शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बड़े-बड़े दावे करके देश को गुमराह कर रही है।

नए द्वार खुलेंगे: चंदा गुप्ता

केंद्रीय बजट महिलाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला साबित हुआ है। इस बजट में सरकार ने न केवल लखपति दीदी योजना के दायरे को बढ़ाया है, बल्कि ग्रामीण और शहरी महिला उद्यमियों के लिए शी-मारट जैसी क्रांतिकारी पहल की घोषणा भी की है। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता ने इसे नारी शक्ति को समर्पित बजट बताया। उन्होंने कहा कि आज का बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला है।

युवाओं के लिए बड़ी सौगात: विनोद

बजट 2026-27 विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने वाला दिखाई दे रहा है। इसमें सरकार ने आम आदमी की जेब का ख्याल रखते हुए न केवल रोजमर्रा की वस्तुओं पर कस्टम ड्यूटी घटाई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी क्रांतिकारी घोषणाएं की हैं। भाजपा जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने इसे ऐतिहासिक और जन-हितैषी करार दिया। बजट आम आदमी की रसोई और मध्यम वर्ग की बचत से जुड़ा है।

यातायात सुगम होगा: सत्यवान

पूर्व समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ने बजट को संतुलित बताया और कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय में 1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी का सीधा लाभ हरियाणा की बड़ी परियोजनाओं को मिलेगा। गुडगांव-फरीदाबाद आरआरटी परियोजना में तेजी आएगी, जिससे एनसीआर में यातायात सुगम होगा। खरखोदा के आईएमटी का विस्तार और नए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से प्रदेश में मैन्युफैक्चरिंग हब को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय बजट में सभी वर्गों का ख्याल, प्रदेश में विकास बढ़ाएगी डबल इंजन सरकार: सांगवान

चरखी दादरी। भाजपा के दादरी विधायक सुनील सांगवान ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट की जमकर सराहना की है। उन्होंने इसे २१वीं सदी का दूरदर्शी और विकासोन्मुखी बजट बताते हुए कहा कि यह बजट केवल आज की जरूरतों को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया, बल्कि इसमें २०४७ तक विकसित भारत के निर्माण का स्पष्ट रोडमैप नजर आता है। विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि बजट में गरीब, किसान, युवा और महिला वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप, एमएसएमई और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा को भी बजट में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं और योजनाएं मिली हैं, जिनका सीधा लाभ प्रदेशवासियों को मिलेगा। खासकर सड़क, रेल, औद्योगिक विकास, कृषि और शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़ी योजनाएं हरियाणा के विकास को नई दिशा देंगी। इससे न केवल निवेश बढ़ेगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सुनील सांगवान ने कहा कि प्रदेश में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से हरियाणा के समग्र विकास को आगे बढ़ा रही है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर च्डबल इंजन सरकारज्ञ के रूप में प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बजट में डबल इंजन की सरकार वाला हरियाणा रहा अछूता : अशोक बुवानीवाला

भिवानी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि जिस शौक से वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में हलवा सेरेमनी करके आम बजट पेश किया, वह देश की जनता के अनुरुप नहीं रहा, एक तरह से वित्तमंत्री का बजट हलवा हरियाणा के लिए कड़वा ही साबित हुआ। बजट पेश करने से पहले के बड़े दावों की बजट पेश होने के दौरान हवा निकल गई। यहां बजट पर प्रतिक्रिया में बुवानीवाला ने कहा कि हरियाणा को न कोई नई रेल दी, न उद्योगों को कोई तोहफा दिया, न इनकम टैक्स में कोई छूट दी और न ही युवाओं के रोजगार पर कुछ तस्वीर साफ की। इसके बाद भी सरकार बजट पर इतरा रही है। बुवानीवाला ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट में भी विशेष फोकस उन राज्यों पर रहा है, जिनकी बैसाखियों के सहारे भाजपा केंद्र में सत्तासीन है। साथ ही जिन राज्यों में आगामी समय में चुनाव होने हैं। देश के बजट में एक समान किसी राज्य को नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरी तरह से निराशा से भरा है। बजट पेश करना औपचारिकता मात्र नजर आया। देश में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं की झूठी खुशी से ही बजट अच्छा है, मगर हकीकत में बजट पूरी तरह से लडखड़ाया हुआ सा है। सरकार बड़े मेडिकल बनाने की बात कर रही है, मगर हरियाणा के प्रमुख शहर गुरुग्राम में भाजपा की सरकार में एक सरकारी सिविल अस्पताल तक नहीं बनाया जा रहा है। बुवानीवाला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वोटों की राजनीति करती है।

सपनों को पंख लगाने वाला बजट : कौशिक

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने बजट को मध्यम वर्ग, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सपनों को पंख देने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का एक सशक्त रोडमैप है। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने बजट में आयकर सुधारों का स्वागत करते हुए कहा कि आयकर अधिनियम 2025 का एक अप्रैल 2026 से लागू होना कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाएगा। उन्होंने विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए किए गए प्रावधानों की सराहना की, जिससे आम आदमी की बचत बढ़ेगी और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे।

बजट में आंकड़ों का खेल : फोजी

पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि केंद्रीय बजट में केवल आंकड़ों का खेल दिखाया गया है। गरीब, मध्यम वर्ग के लिए कोई विशेष हिदायत को कोई प्रावधान नहीं किया गया है। मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए इन्कम टैक्स में कोई छूट तक नहीं दी गई है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर व रोजगार उपलब्ध करवाए जाने की किसी भी योजना का जिक्र तक नहीं है। आम जन की आमदनी बढ़ाने के लिए कोई चर्चा नहीं हुई है।

खबर संक्षेप

गांव बलियाली से सोलर पंप का सामान चोरी

बवानी खेड़ा। क्षेत्र के आदर्श महाग्राम बलियाली के खेतों से सरकारी योजना के तहत लगे सोलर पंप का कंट्रोलर व स्टार्टर चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित अक्षित चावला निवासी कृष्णा कॉलोनी भिवानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपने खेत में सिंचाई के लिए तीन एचपी का शक्ति पंप का सोलर पंप लगवाया हुआ था। शिकायत के अनुसार उक्त सोलर पंप का कंट्रोलर व स्टार्टर 29 जनवरी 2026 की रात चोरों ने तार काटकर चोरी कर लिया। चोरी किए गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई है। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 303 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है

5.56 ग्राम हेरोइन सहित आरोपी किया गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार के निर्देशों की अनुपालना करते हुए एंटी नारकोटिक सेल भिवानी द्वारा आरोपी को मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है। एंटी नारकोटिक सेल भिवानी के उप निरीक्षक अमरजीत सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ तोशाम क्षेत्र में गश्त एवं अपराध रोकथाम ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर रेड की और एक व्यक्ति को मादक पदार्थ हेरोइन सहित काबू किया। आरोपी की पहचान पवन पुत्र हनुमान, निवासी गांव खानक, थाना तोशाम, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

बवानीखेड़ा के विद्यार्थियों को एक लाख रुपये की सीड मनी से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

हरियाणा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 5 जनवरी को इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, पंचकूला में आयोजित कौशल बिजनेस चलेंज राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि बवानी खेड़ा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर गौरवान्वित किया। विद्यालय की कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी फिरोज, अंकित, नरेन बाला, रोडीज एवं हर्ष ने पंचकूला में आयोजित प्रदर्शनी में भाग लेते हुए अपने नवाचारी बिजनेस आइडिया के अंतर्गत डोर मैट, दरी, कान्हा जी की ड्रेस एवं वूलन उत्पादों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विद्यालय का नाम सुनेहरी अक्षरों में लिखा गया। पहले मॉडल संस्कृति विद्यालय के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके उपरांत राज्य स्तरीय कार्यक्रम में चयन हुआ।

शिक्षा मंत्री ने किया सम्मानित

राज्य स्तरीय समारोह में शिक्षा मंत्री महीपाल ढ़ाडा द्वारा विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रुपये की सीड मनी प्रदान कर सम्मानित किया गया। जो अपने आप में एक हटकर मिसाल है। अव्वल आने पर विद्यालय में खुशी का माहौल पैदा हो गया। विद्यार्थियों की हटकर प्रस्तुति ने सभी का मन मोहने का कार्य किया। विद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानाचार्या संतोष भाकर ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को 500 नकद राशि प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस उपलब्धि शिक्षिकाओं ने भी बधाई दी।

तेरापंथ महिला मंडल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन करवाएगा

भिवानी। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर जांच, सुरक्षित जीवन के संकल्प के साथ भिवानी में एक विशेष स्वास्थ्य पहल की जा रही है। विश्व कैंसर दिवस पर 4 फरवरी को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक प्रेक्षा विहार भवन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निःशुल्क गर्भाशय (सर्वाइकल) कैंसर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. शांडिल्य के मार्गदर्शन में होगा।

मंडल की अध्यक्ष सुषमा जैन व मंत्री डॉ. संस्कृति जैन ने बताया कि शिविर में आने वाली महिलाओं की सुरक्षा और गोपनियता का ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी प्रमुख जांचें पूरी तरह से निःशुल्क प्रदान की जाएंगी, जिसमें सर्वाइकल कैंसर जांच, हीमोग्लोबिन जांच, ब्लड शुगर एवं बीपी जांच शामिल रहेंगी। मंडल ने संदेश दिया कि उनका उद्देश्य भिवानी की हर मातृशक्ति को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। अक्सर महिलाएं घर की जिम्मेदारियों में अपने स्वास्थ्य को पीछे छोड़ देती हैं। यह शिविर उन्हें एक सुरक्षित मंच प्रदान करता है जहाँ वे विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह ले सकेंगी।

35 तोले सोना लूट की झूठी सूचना देने वाले अधिवक्ता पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी के अधिवक्ता ने डायल 112 पर कॉल करके 35 तोले सोना लूटपाट की सूचना दी। करीब 60 लाख रुपये से अधिक की लूटपाट की सूचना पर डायल 112 की गाड़ी व पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

उल्लेखनीय हैं कि शहरवासी अधिवक्ता ने डायल 112 पर कॉल करके 35 तोले सोना लूटपाट की सूचना दी। सूचना पर डायल 112 की गाड़ी व पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची तो शिकायतकर्ता अधिवक्ता मौके पर मिला और जांच पड़ताल की। डायल 112 व पुलिस टीम रातभर सीसीटीवी कैमरे खंगालती रही, लेकिन टीम को कैमरे में शिकायतकर्ता अधिवक्ता के अलावा कोई नजर आया, जबकि शिकायतकर्ता का आरोप था कि दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और करीब 30-35 तोले सोना छीन ले गए। अधिवक्ता ने लूटपाट में करीब 60 लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने की बात कही। डायल 112 और पुलिस ने रातभर सीसीटीवी कैमरे खंगाले, लेकिन उन्हें बाइक पर शिकायतकर्ता वकील के अलावा कोई नहीं दिखाई दिया। पुलिस ने शिकायतकर्ता पर शक होने पर सख्ती से पूछताछ की तो उसने स्वीकारा कि उसने ही डायल 112 को झूठी सूचना दी थी। पुलिस ने पर शिकायतकर्ता अधिवक्ता पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना की जानकारी देते सिविल लाइन थाना के एसएचओ देवेंद्र कुमार।

पुलिस कर रही मामले की जांच

पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता किसी को फंसाने की कोशिश या लिविंग रिलेशन का मामला हो सकता है, मामले जांच जारी हैं। सिविल लाइन थाना के एसएचओ देवेंद्र कुमार ने बताया कि 29 जनवरी की रात को डायल 112 पर कंट्रोल रूप में सूचना प्राप्त हुई। डायल 112 व पुलिस टीम ने मौके पर जाकर जांच की तो खुद शिकायतकर्ता ने झूठ बोलने और सोना नहीं लूटने की बात स्वीकारी। पुलिस की अब तक की जांच अनुसार युवक अक्षय का मकशद लेनदारी, पैसे का लेनदेन या फिर किसी महिला के प्यार में झूठ बोला है। यह तो जांच पड़ताल पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

संत कंवर साहेब ने साध-संगत को प्रवचनों से किया निहाल

भटके हुए जीव उनकी शरण और सत्संग पाकर प्रभु मार्ग पर चले : संत कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संतों की कोई भी बात मिथ्या नहीं होती क्यूंकि संत सहज स्वभावी होते हैं और उनके हर क्रिया कलाप में कोई ना कोई मौज छिपी होती है। संतों का तो अवतरण होता ही इसलिए है कि भटके हुए जीव उनकी शरण और सत्संग पाकर प्रभु मार्ग पर चले। आज ही के दिन संत शिरोमणि गुरु रविदास जी भी देह रूप में काशी की धारा पर प्रकट हुए थे। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने सिवानी में स्थित राधास्वामी आश्रम में फ़रमाये। हुजूर कँवर साहेब ने फरमाया कि सन्त कभी इस जगत से जाते नहीं है वे तो अमर हैं क्योंकि उनके द्वारा दिया सन्देश और उपदेश सदैव मनावता की भलाई का कार्य करते हैं। उन्होंने फरमाया कि कलयुग संतों का युग है जिसमें भक्ति को इतना सरल बना दिया। इस कलि काल में सन्त शिरोमणि रविदास नानक,कबीर,मीरा,चैतन्य महाप्रभु,पलटू, गरीबदास,दादू से लेकर ताराचंद जी जैसे सन्त अवतरित हुए।

जाति-पाती की संरचना इंसान ने की है : साहेब

संत कंवर साहेब ने कहा कि जब रविदास ने इस धरा पर देह धारी तब पाखंड वाद का बहुत बोलबाला था। जाति पाती का भेदभाव अपने चर्म पर था। ऐसे समय पर संत शिरोमणि रविदास जी ने यह संदेश दिया कि सब परमात्मा की संतान है। जाति पाती की संरचना इंसान ने की है ना की परमात्मा ने।

हड़ौदी माइनर मांढी केहर टेल के पास टूटने से फसल जलमग्न

बाढ़ड़ा। हड़ौदी माइनर के मांढी केहर टेल के पास टूट जाने से किसानों की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। माइनर टूटने के कारण खेतों में पानी भर गया, जिससे करीब 1.5 एकड़ गेहूं की फसल खराब होने का अंदेशा जताया जा रहा है। माँढ़ी केहर निवासी अमित की गेहूं की फसल पूरी तरह पानी में डूब गई। घटना की जानकारी मिलते ही किसान ने नहरी विभाग को सूचित किया। सूचना पर मौके पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने मिट्टी डालकर अस्थायी रूप से पानी को रोक दिया, जिससे स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। घटनास्थल पर मौजूद किसानों ने नहरी विभाग से माइनर की जल्द स्थायी मरम्मत कराने की मांग की। किसानों का कहना है कि माइनर की हालत काफी जर्जर हो चुकी है और समय-समय पर टूटने से उन्हें बार-बार नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस संबंध में सरपंच अशोक कुमार ने बताया कि हड़ौदी माइनर काफी पुरानी हो चुकी है और इससे पहले भी कई बार टूट चुकी है।

- विभागीय अधिकारियों ने मिट्टी डालकर अस्थायी रूप से पानी को रोक दिया

अब श्रमिक वर्ग को एकजुट होकर करना होगा संघर्ष : शंकरदास

भिवानी। ऑल इंडिया यूनाइटेड ट्रेड यूनियन सेंटर (एआईयूटीयूसी) ने भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा ट्रेड यूनियनों पर की गई हालिया टिप्पणी के खिलाफ तीखा मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने मुख्य न्यायाधीश के उस बयान को गैर-जिम्मेदाराना' और श्रमिक विरोधी करार दिया है, जिसमें उन्होंने ट्रेड यूनियनों को देश के औद्योगिक विकास में बाधा बताया था। एआईयूटीयूसी के महासचिव शंकरदास गुप्ता ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि 29 जनवरी को जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणी सत्ता में बैठे बड़े कॉर्पोरेट घरानों की भाषा है। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि न्यायपालिका सरकार और एकाधिकारवादी पूंजीपतियों के साथ खड़ी है। श्रमिक वर्ग को अब इस साठगांठ के खिलाफ और अधिक एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने कहा कि देश के मेहनतकश लोगों और आम जनता को 12 फरवरी की हड़ताल को सफल बनाने के लिए बढ़ चढ़कर भाग लेना होगा।

- मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी सत्ता में बैठे बड़े कॉर्पोरेट घरानों की भाषा :गुप्ता

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

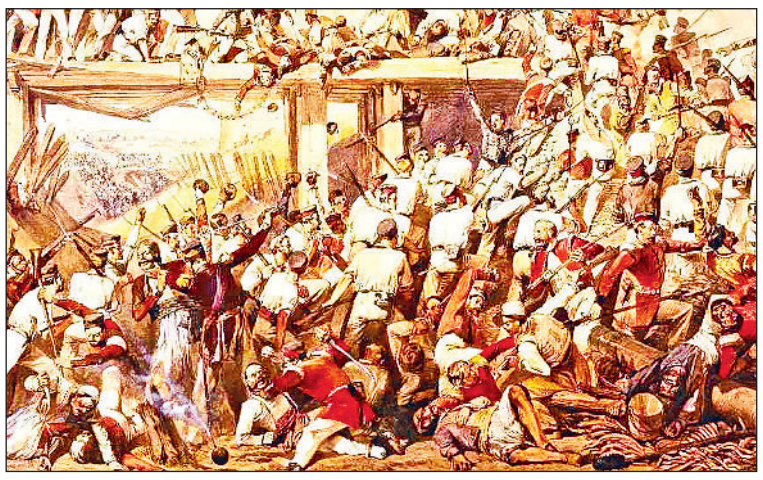

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल जेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज़ दुख बाँट्या करते, बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार को कड़े गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सभ नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सभनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास

यशपाल गुलिया

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लाई हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत ऑनर्स), एमए (अंग्रेज़ी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख़्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज को बेहतर बनाना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़्रास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फिल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम

मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

गुरु रविदास ने जात-पात एवं छुआछूत जैसी कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई

बदलाव समाज कल्याण ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती मनाई

आज भी गुरु रविदास की वाणी एवं उनके विचार प्रासंगिक : मामनचंद

हमारा असली संघर्ष अज्ञानता के खिलाफ हो

- समारोह में शहर की प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वार्ड नंबर-19 में बृजवासी कॉलोनी स्थित अंबेडकर भवन में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई। डॉ. बीआर अंबेडकर शिक्षा सुधार समिति द्वारा आयोजित समारोह में शहर की प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम की मुख्य थीम शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो

सांस्कृतिक प्रस्तुति देने वालों को सम्मानित करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती पर बदलाव समाज कल्याण द्वारा रविवार को चौधरी बंसीलाल पार्क कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान श्यामपाल ने की। उपस्थित सभी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज व राष्ट्र उत्थान में कार्य करने का संकल्प लिया।

इस मौके पर श्यामपाल ने कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज जैसे महापुरूष किसी एक समाज के ना होकर सर्व समाज के हाते है, जिन्होंने समस्त समाज को सद्मार्ग पर चलने की राह दिखाई। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास ने जातिवाद से ऊपर उठकर कार्य करते हुए लोगों को भक्ति मार्ग पर चलकर ईश्वर को प्राप्त करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि संत-महापुरूषों की स्मृति में हमे संकल्प लेना चाहिए कि हम सामाजिक बुराईयों से दूर रहते हुए समाज उत्थान में कार्य करें। उन्होंने कहा कि संत गुरू रविदास भक्ति आंदोलन के एक प्रसिद्ध संत थे। उनके भक्ति गीतों व छंदों ने भक्ति आंदोलन पर स्थायी प्रभाव डाला। हम सभी को एक सभ्य समाज की संरचना के लिए संत गुरू रविदास के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर पाली, संजय, संजय फौजी, सन्नी, गोविंद, ताऊ गोविंद, दीपांशु, हीरालाल, राजकुमार जालान, समौता, कुंदन चौधरी, पवन आदि मौजूद रहे।

के संदेश पर आधारित रही। इस अवसर पर बतौर मुख्यतिथि नगर परिषद पूर्व चेयरमैन मामनचंद व दलजीत तालु ने शिरकत की। उन्होंने गुरु रविदास के बताए गए समानता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूर्व चेयरमैन मामनचंद ने कहा कि आज के युग में गुरु रविदास की वाणी और उनके विचार पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने जात-पात और छुआछूत जैसी कुरीतियों के विरुद्ध उस समय आवाज उठाई जब समाज गहरे अंधकार में था। हमारा असली संघर्ष अज्ञानता और अशिक्षा के खिलाफ होना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ईओ राजाराम, संदीप बंटी, सूर्या तंवर पार्षद, गोविंद, राकेश पंवार, राजेंद्र बामनिया, प्रभातीलाल मेहरा, प्रधान हरिचंद भौरिया, महासचिव अनिल चौपड़ा, अनिल रंगा, सज्जन, कोषाध्यक्ष सोमबीर, पार्षद शिवकुमार गोठवाल, प्रदीप चौपड़ा, आशीष ग्रोवर, विष्णु, विनोद, ओमप्रकाश, सचिन चौपड़ा आदि मौजूद रहे।

पार्षद शिवकुमार गोठवाल ने कहा कि हम बाबा साहेब के बताए शिक्षित बनो के मार्ग पर चलेंगे, तभी हम गुरु रविदास के सपनों का समाज बना पाएंगे। इस दौरान भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

बहल। संत रविदास जयंती समारोह में पूर्व मंत्री जेपी दलाल को सम्मानित करते हुए आयोजक। फोटो : हरिभूमि

संत रविदास ने आपसी प्रेम और एकजुटता की सीख दी: दलाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहल

प्रदेश के पूर्व मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि संत रविदास ने ऐसे समय में समाज को सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और एकजुटता की सीख दी थी जब समाज सामाजिक भेदभाव के दौर से गुजर रहा था। समाज को जाति पाति और धर्म से ऊपर उठकर मानवता से प्रेम करने की जो सीख संत रविदास ने सदियों पहले दी थी, वो आज के समय में भी प्रांसगिक है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की भाजपा सरकार उनकी सोच के अनुरूप समाज में समानता के आधार पर काम कर रही है। वे रविवार को संत रविदास की 649 वीं जयंती पर रविदास आश्रम में आयोजित संत रविदास जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को देश के ऋषि मुनियों और संत-साधुओं का आर्शीवाद मिलता रहा है। जब भी समाज में कोई विकार आया तो इन संत साधुओं ने आगे आकर लोगों को सही राह पर चलने के लिए प्रेरित किया है। संत रविदास भी अपने समय में एक ऐसे महान संत हुए है जिन्होंने समाज में जाति पाति के भेदभाव को मिटाकर सामाजिक एकता, समरसता व समानता का पाठ पढाया। उन्होंने लोगों को सीख दी कि उनका विकास तभी संभव है जब वे ऐसी विचारधारा से आगे बढकर समाज की एकजुटता के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने मन चंगा तो कठौली में गंगा की सुक्ति से लोगों को भक्ति मार्ग पर चलने की सीख दी। जेपी दलाल ने कहा कि देश और प्रदेश की सरकार संत रविदास जी की नीतियों के अनुरूप ही समाजिक एकता को मजबूत करते हुए समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए काम कर रही है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मार्केट कमेटी के चेयरमैन रवि महमिया, पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल, सरपंच साधूराम पनिहार, हनुमान शर्मा पाजू, संदीप लाखलाण, मा. उमेद सिंह दहिया, सुनील चांदला प्रधान, ईश्वर फौजी, बलवान, जयसिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे। मंच संचालन मा. राजेश ने किया।

संत रविदास के वचन, दोहे एवं रचनाएं जीवन जीने की देते प्रेरणादायी सीख: श्यामपाल

- महापुरुष किसी एक के ना होकर सारे समाज के : श्यामपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती पर बदलाव समाज कल्याण द्वारा रविवार को चौधरी बंसीलाल पार्क कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रधान श्यामपाल ने की। उपस्थित सभी ने संत शिरोमणि गुरू रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए समाज व राष्ट्र उत्थान में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर श्यामपाल ने कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज जैसे महापुरूष किसी एक समाज के ना होकर सर्व समाज के हाते है, जिन्होंने समस्त समाज को सद्मार्ग पर चलने की राह दिखाई। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास ने जातिवाद से ऊपर उठकर कार्य करते हुए लोगों को भक्ति मार्ग पर चलकर ईश्वर को प्राप्त करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि संत-महापुरूषों की स्मृति में हमे संकल्प लेना चाहिए कि हम सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हुए समाज उत्थान में कार्य करें। उन्होंने कहा कि संत गुरू रविदास भक्ति आंदोलन के एक प्रसिद्ध संत थे। उनके भक्ति गीतों व छंदों ने भक्ति आंदोलन पर स्थायी प्रभाव डाला। हम सभी को एक सभ्य समाज की संरचना के लिए संत गुरू रविदास के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर पाली, संजय, संजय फौजी, सन्नी, गोविंद, ताऊ गोविंद, दीपांशु, हीरालाल, राजकुमार जालान, समौता पवन आदि मौजूद रहे।

मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों के नवाचारी मॉडलों को सराहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

राज्य स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी (आरएसबीवीपी) 2025-26 का आयोजन स्टीम फॉर विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत मुख्य विषय के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रदर्शनी के दूसरे दिन मुख्य अतिथि विनीत गर्ग, अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस), स्कूल शिक्षा विभाग, हरियाणा रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत अतिरिक्त निदेशक सुनील बजाज, उप निदेशक अंशु सिंगला तथा डाइट प्राचार्या सुमिता रांगी द्वारा किया गया। अपने संबोधन में एसीएस विनीत गर्ग ने दैनिक जीवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका, नई शिक्षा नीति तथा 21वीं सदी के कौशल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ये सभी तत्व मिलकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार नवाचारी मॉडलों की सराहना की और कहा कि ऐसे मंच विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और समस्या-समाधान कौशल को विकसित करते हैं।

डाइट प्राचार्या सुमिता रागी, सभी विंग हेड्स, शिक्षक, छात्र एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। एसीएस ने शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

गुरु रविदास के जीवन प्रसंगों को दिखाने वाली झांकी निकाली

बाढड़ा। मांढ़ी केहर गांव में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर गांव में जागरण और भंडारे का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संया में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रात्रि जागरण में मु2यरूप से आमंत्रित कलाकार आरती शर्मा,रघुबीर,अनिल, चिंटू, साधुराम, सुनील आदि कलाकारों ने गुरुवाणी पर सबको अपनी और रिझाने का काम किया। कलाकारों ने रातभर भक्तिमय माहौल बनाए रखा। वक्ताओं ने कार्यक्रम के तहत गुरु रविदास जी के जीवन, उनके विचारों और समाज सुधार के संदेशों पर प्रकाश डाला गया। भजन-कीर्तन से माहौल भक्तिमय बना रहा। इसके साथ ही गांव में भव्य झांकी भी निकाली गई, जिसमें गुरु रविदास जी के जीवन प्रसंगों को दर्शाया गया। झांकी में शामिल श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ गांव का भ्रमण किया। रामभक्त, महावीर, शमशेर, डॉ1टर बिल्लू, संतलाल जातीराम आदि आयोजकों ने बताया कि संत रविदास जी के समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश आज भी समाज को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं। कार्यक्रम के समापन पर भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

मनरेगा के मुद्दे पर ज्ञापन देंगे कांग्रेसी लघु सचिवालय में जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को मनरेगा बचाओ अभियान के तहत लघु सचिवालय में दूसरे दिन भी धरना दिया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुशील धानक ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी देशभर में मनरेगा बहाली को लेकर सप्ताह भर धरने प्रदर्शन कर आंदोलन कर रही है। इसी कड़ी में दादरी में तीन दिन धरने का आयोजन किया गया है और सोमवार को इस विषय में सरकार को संबोधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा जाएगा। इससे पूर्व धरना स्थल पर कांग्रेस जनों ने संत रविदास जयंती मनाई और उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।सुशील धानक ने कहा कि ज्ञापन में किसान, मजदूरों के साथ स्थानीय समस्याओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मनरेगा योजना में बदलाव को लेकर मजदूरों के साथ किसानों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि पंचायत मनरेगा में अपने हिसाब से काम करवाती थी लेकिन अब सरकार अपनी मर्जी से ठेकेदारों से काम करवाएगी। अब मेट बेरोजगार हो गए हैं और उनका कोई काम नहीं बचा है। धरने में पूर्व विधायक धर्मपाल सांगवान, पूर्व विधायक नृपेंद्र सिंह, पूर्व विधायक सोमबीर सांगवान, राजू मान, डॉ ओमप्रकाश, जसबीर बॉक्सर जोरावर सांगवान, जिला उपाध्यक्ष प्रीतम सांगवान, रणबीर फौजी, सुरेश पांडवानिया, संगठन महासचिव आनंद सिंह सहित इत्यादि मौजूद रहे।

हिंदू महासम्मेलन के लिए कमेटियां गठित कर सौंपी गई जिम्मेदारी

बाढड़ा। समस्त भारत राष्ट्र में फरवरी माह में हिंदुओं द्वारा हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है और बाढड़ा में 8फरवरी रविवार सुबह 11 बजे अनाज मंडी में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय हनुमान मंदिर में बैठक आयोजित कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। हिंदू महासम्मेलन कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पूर्व चेयरमैन चंद्रपाल सांगवान व पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीश बडेसरा ने बताया कि कस्बे में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज विशेष बैठक आयोजित कर हिन्दू स मेलन समिति का गठन किया गया। इसमें रामकिशन फौजी को अध्यक्ष सोमवीर बैनीवाल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके लिए प्रचार समिति, आयोजन समिति, वित्त समिति, प्रसाद समिति, मीडिया प्रभारी सहित अनेक संचालन समिति बनाई गई है। बाढड़ा मण्डल का विशाल हिन्दू सम्मेलन अनाज मंडी में होगा इसमें अनेक साधु संत महात्मा पहुंचेंगे और अपना आशीर्वाद देंगे। इस बैठक में तय किया कि अपने यहां जो भी प्रोड1ट तैयार किया जाता है उनकी स्टाल भी लगाई जाए। इसे स्वदेशी का प्रचार किया जाता है। इस कार्यक्रम में सुबह 1 बजे हनुमान मंदिर बाढड़ा और शिव मंदिर बाढड़ा से कलश यात्रा निकाली जाएगी इसके लिए महिलाओं की भागीदारी होगी। इसके बाद 10 बजे कार्यक्रम स्थल पर आर्य समाज द्वारा हवन किया जाएगा।

गोवंश की रक्षा करना हमारा परम धर्म: गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि सरकार गोवंश को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है, इसके लिए सरकार द्वारा गोशालाओं में आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है। गोशाला संचालक अधिक से अधिक बेसहारा गायों व नंदी को गोशालाओं में आसरा दें।

गर्ग रविवार को गांव तालु स्थित गौ लोक धाम के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम को बतौर और मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गऊ, गंगा, गीता और गायत्री भारतीय संस्कृति की पहचान व जड़ है। उन्होंने कहा कि गाय खेतों को खाद, हमें दूध देती हैं, जो कि अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि गोवंश की रक्षा करना हमारा परम धर्म है। गाय में सभी देवताओं का वास माना जाता है, जिसको हम माता का रूप मानते हैं।

उन्होंने कहा कि जिला भिवानी में 44

गौशालाओं में से 42 गौशालाओं को विगत साल करीब तीन करोड़ 90 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस वर्ष पहले से अधिक सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां पंचायती भूमि है, वहां गौशालाओं के विस्तार की योजना बनाई गई है। इसके साथ गौ अभ्यारण केंद्र बनाए जा रहे हैं। पंचायत के पास जमीन है तो वे गो अभ्यारण केंद्र बनवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिलहाल करीब 694 गौशालाएं हैं, जिनमें चार लाख के लगभग गौवंश है। इस अवसर पर गौधाम सेवा समिति द्वारा आए हुए सभी मेहमानों को गांव की तरफ से समान सूचक पगड़ी स्मृति चिन्ह और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सोलर प्लांट के लिए आवेदन मांगे

श्री गर्ग ने कहा कि गोशालाओं से ऑफ ग्रिड सोलर प्लांट के लिए आवेदन मांगे हैं, इससे बिजली का बोझ कम होगा। वहीं दूसरी ओर गौशालाओं में दो रुपए प्रति यूनिट बिजली दर की गई है, जिससे गौशालाओं को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि गोशालाओं के लिए जमीन खरीदने पर किसी प्रकार का रजिस्ट्री खर्च नहीं लगता और कोई प्रॉपर्टी टैक्स नहीं लगता। उन्होंने कहा कि गौशालाओं को मनरेगा से भी जुड़वा दिया गया है। गौशालाओं में एक हजार गायों पर एक ई-रिक्शा भी प्रदान की जा रही है। एक हजार से अधिक गायों पर दो ई-रिक्शा दी जा रही है।

कैप्टन भीमसिंह बने जाट सेवा संघ छोटूराम धाम जसिया के संरक्षक

- जाट सेवा संघ छोटूराम धाम जसिया जिला कार्यकारिणी का गठन

भिवानी। जाट धर्मशाला में प्रधान रणसिंह बैनीवाल की अध्यक्षता में जाट सेवा संघ छोटूराम धाम जसिया की बैठक हुई। बैठक में धाम जसिया से कैप्टन भूपेन्द्र, प्यारे लाल, कैप्टन रामकरण दलाल विशेष रूप से उपस्थित हुए। बैठक में जाट सेवा संघ छोटूराम धाम जसिया की जिला कार्यकारिणी का गठन किया, जिसमें कैप्टन भीम सिंह मित्ताथल को संरक्षक, डीपीई सतवीर सिंह मंढाणा को उपप्रधान, सूरजभान राड़ गिगनाऊ को उपप्रधान, होशियार सिंह धनाना को उपप्रधान, उमेद सिंह फरटिया भीमा फरटिया को उपप्रधान, कपूर सिंह सनसनवाल पुर को उपप्रधान पद की जिम्मेवारी सौंपी। वहीं राजवीर सिंह बोहरा नीमड़ीवाली, पूर्व सरपंच सतवीर सिंह डीसी कालोनी भिवानी, पूर्व सरपंच कृष्ण कुमार सरल को महामंत्री, वेद प्रकाश घणघस धनाना को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेवारी सौंपी। होशियार सिंह जताई, पूर्व सरपंच बलवान सिंह तालू, जंगवीर सिंह अलखपुरा, जसवंत सिंह बल्हारा कुंगड़, जगदीश सिवाड़ा, जयबीर सिंह जाखड़, गजेन्द्र सिंह फौजी अजीत पुरा, दलीप सिंह सिरसी, जयचंद सिधनवा को सचिव तथा बलबीर सिंह बजाड़ को प्रैस प्रवक्ता की जिम्मेवारी सौंपी। नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों ने विश्वास दिलाया कि वे अपनी जिम्मेवारी को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से पूरा करेंगे तथा अधिक से अधिक लोगों को जोड़ कर संगठन को मजबूत करने का काम करेंगे।

कार्यशाला में बेसिक शिक्षा पद्धति पर चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के बीके विद्यालय में कार्यशाला में उपस्थितजन।

बवानी खेड़ा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सी.बी.एस.ई. की ओर से सी.बी.पी. कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, नई शिक्षा नीति के उद्देश्य,अधिगम के परिणाम तथा उन पर ध्यान केंद्रित करने से रहा। परामर्शदाता के रूप में नीलम कुमारी एवं नीरजा ने विद्यालय में शिरकत की। इस कार्यशाला में बी.के.वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय एवं खरक मॉडल संस्कृति विद्यालय से शिक्षक वर्ग उपस्थित रहा।

सर्वप्रथम विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ विभाग प्रमुख योगेंद्र सिंह, कनिष्ठ विभाग संचालिका मंजू मलिक द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया। मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। परामर्शदाता ने रोचक तरीके से कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यशाला का तीन चरणों में विभाजन किया गया। प्रथम चरण जलपान से पहले, जिसमें महात्मा गांधी द्वारा चलाई गई बेसिक शिक्षा पद्धति पर चर्चा की गई।

द्वितीय चरण जलपान के पश्चात, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मध्य अंतर, शिक्षा के पश्चात विद्यार्थी ने क्या सीखा, शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन को समझाना तथा तृतीय चरण अपराह्न भोजन पश्चात किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि अधिगम परिणाम की ओर बदलाव शिक्षा को अधिक प्रभावी, उद्देश्य पूर्ण और परिणामोन्मुख बनाता है। यह विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता का विकास करता है। इस बीच परामर्शदाताओं ने शिक्षकों से प्रश्न भी पूछे जिनका उन्होंने उत्साह पूर्वक उत्तर दिया। प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने परामर्शदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अध्यापक वर्ग से यह आश्वासन प्राप्त किया वे आज कि कार्यशाला में अर्जित ज्ञान का अपने कक्षा- कक्ष में प्रभावशाली ढंग से प्रयोग करेंगे।

ये रहे मौजूद

विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव योगेश शर्मा, मनीष शंकर, आनंद शर्मा, कृष्ण कुमार, अमित कुमार, कविता कुमारी, मीनू वालिया, मिनाक्षी, दीप्ति, रजनी, प्रोमिला वर्मा, रीना जाखड आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

डीईओ समेत अनेक अधिकारियों व राजनेताओं ने विदाई समारोह में सम्मानित कर दी बधाई

मुख्याध्यापक जयबीर नाफरिया 30 वर्ष की सेवा उपरांत हुए सेवानिवृत्त, किया सम्मान

- नाफरिया ने हमेशा शिक्षा में सुधार के प्रयास किए एवं कर्मियों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बहल ब्लॉक के गांव नागल स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में मुख्याध्यापक एवं राजकीय अध्यापक संघ के प्रदेश प्रवक्ता जयवीर नाफरिया 30 वर्ष से अधिक सरकारी सेवा पूरी कर 31 जनवरी को सेवानिवृत हो गए। नाफरिया को सेवानिवृत पर पगड़ी, शॉल व उपहार देकर सम्मानित किया। नाफरिया का उनके पैतृक गांव चांग में पहुंचने पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया तथा लम्बे काफिले के साथ समारोह स्थल तक लेकर गए।

विदाई समरोह में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने पहुंचकर उन्हें बधाई दी और बताया कि जयवीर नाफरिया शिक्षा जगत में अपनी अलग पहचान रखते हैं। इन्होंने हमेशा शिक्षा में सुधार के लिए प्रयास किए तथा कर्मचारियों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। ये अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान, मेहनती व कर्मठ रहे। इस अवसर पर रोडवेज महासंघ के वरिष्ठ नेता जयवीर घणघस पहुंचे और उन्होंने कहा कि जयवीर नाफरिया हमेशा कर्मचारियों के अधिकारों के प्रति संघर्ष के लिए लाठियां व तेज पानी की धाराओं से टकराते रहे हैं तथा उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा है। नाफरिया वर्तमान में राजकीय अध्यापक संघ एवं हरियाणा कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महासचिव व अखिल भारतीय स्तर पर भी पदाधिकारी हैं।

भिवानी। मुख्याध्यापक जयबीर नाफरिया को सेवानिवृति पर सम्मानित करती डीईओ डॉ. निर्मल दहिया व अन्य।

ये हुए शामिल

विदाई समारोह में उन्हें बधाई देने के लिए पूर्वमंत्री आनंद सिंह दांगी, बसपा प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया, संदीप तंवर, पवन ठाकुर, अध्यापक संघ से शक्ति सिंह सिवाच, जयबीर घणघस, मास्टर हरीश गौछी, हरियाणा कर्मचारी महासंघ से सूरजमल लेघां, दिलबाग अहलावत, सज्जन सांगा, विनोद परमार, रामकुमार सराय, जेपी चौहान, राजेश जांगड़ा व कृष्ण यादव समेत अनेक कर्मचारी व अधिकारी शामिल रहे और उन्होंने उनके स्वस्थ जीवन एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारत युवाओं का देश और युवा भारत की शक्ति एवं भविष्य : धर्माणी

राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हरियाणा प्रांत शाखा एवं वैश्य महाविद्यालय,भिवानी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, द्वारा संयुक्त रूप से 'युवा उत्सव' के तहत राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महोत्सव प्रतियोगिताओं का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी बंसीलाल विश्विद्यालय भिवानी की कुलगुरू प्रो दीप्ति धर्माणी एवं समापन सत्र में मुख्य अतिथि भिवानी के विधायक एवं वैश्य महाविद्यालय प्रबन्धक समिति के महासचिव भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ रहे । विशिष्ट अतिथि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष जे के श्रीवास्तव,वर्धमान ज्वेलर्स के ऑनर सचिन जैन,वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के प्रधान एडवोकेट शिवरतन गुप्ता, महासचिव डॉ पवन बुवानीवाला कोषाध्यक्ष विजय किशन अग्रवाल ट्रस्टी सुरेश गुप्ता,वैश्य महाविद्यालय प्रबन्धक समिति के कोषाध्यक्ष बृजलाल सर्राफ रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हरियाणा शाखा के चेयरमैन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल महासचिव नरेश गोयल, युवा कल्याण विभाग के डीन उप प्राचार्य प्रो. धीरज त्रिखा,सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. हरिकेश पंघाल, महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाईयों के प्रभारी डॉ कामना कौशिक, डॉ मोहनलाल, संयोजक सचिव रितेश गोयल, कार्यालय अधीक्षक कमल भारद्वाज एवं उनकी टीम का अहम योगदान रहा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हरियाणा शाखा के सचिव पवन बंसल, कोषाध्यक्ष अश्विन बंसल,सदस्य पूर्व विधायक जगजीत सांगवान, वी के मल्होत्रा,पूर्व प्राचार्य बी डी आर्य पवन गोयल,सहित अनेकों शख्सियतों ने शिरकत की।

भिवानी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुती देती प्रतिभागी तथा कार्यक्रम में सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों एवं यूथ हॉस्टल एवं प्रकोष्ठ के सदस्यो द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका निर्णायक मंडल के वरिष्ठ सदस्य कौशल भारद्वाज,रुपेश वत्स,जनार्दन शर्मा,विपिन,प्रो यशपाल महता एवं अनिल बजाज ने अदा की। कार्यक्रम में मंच का सफल संचालन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ हरिकेश पंघाल एवं एन एस एस वालिंटियर संस्कृति द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर छात्रा अनन्या के डांस प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। प्रतियोगिता में प्रदेश भर के सभी जिलों की 23 टीमों ने भाग लिया।विजेता टीमों को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हरियाणा शाखा के चेयरमैन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हमारा प्रमुख उद्देश्य शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का बेहतर मंच उपलब्ध करवाकर उनकी प्रतिभा को निखार कर सर्वांगीण विकास करना है।

युवाओं को पुरस्कार प्रदान कर किया सम्मानित

मुख्य अतिथि चौधरी बंसीलाल विश्विद्यालय भिवानी की कुलगुरू प्रो दीप्ति धर्माणी ने कहा कि भारत युवा देश है और युवा भारत की शक्ति एवं भविष्य है। उन्होंने युवाओं को कर्तव्यनिष्ठ होकरा आगे बढ़ने की सीख देते हुए पंचमय कोष की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में हर जीत मायने नहीं रखती बल्कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है। समापन सत्र पर युवाओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि भिवानी के विधायक एवं वैश्य महाविद्यालय प्रबन्धक समिति के महासचिव भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि सांस्कृतिक महोत्सव विद्यार्थियों के हुनर को संवारने एवं उनके सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए क्योंकि सांस्कृतिक गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक हैं। इस मौके पर ट्रस्टी विजय किशन अग्रवाल, बृजलाल सर्राफ एवं सुरेश गुप्ता ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागी युवाओं के उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रतिभागियों ने दिखार हुनर

महाविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता ललित शर्मा ने बताया कि हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता में आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी की छात्रा रवीना ने प्रथम, राजकीय महिला महाविद्यालय सापला की छात्रा चंचल शर्मा ने द्वितीय व सीबीएलयू भिवानी की छात्रा रूचि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही पठानिया पब्लिक स्कूल रोहतक की छात्रा जश्नूर कौर को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। एकल नृत्य प्रतियोगिता में लाडवा कॉलेज से छात्रा अन्नपूर्णा ने प्रथम, वैश्य महिला महाविद्यालय रोहतक से छात्रा ज्योति ने द्वितीय एवं राजीव गांधी महिला महाविद्यालय भिवानी की छात्रा वसु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वही पठानिया पब्लिक स्कूल रोहतक की छात्रा खुशी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। एकल गायन प्रतियोगिता में लाडवा कॉलेज से छात्रा नेहा ने प्रथम पं नेकीराम शर्मा महाविद्यालय रोहतक से छात्रा आशीष ने द्वितीय एवं सी एम आर जे महाविद्यालय से छात्र राहुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।वही एस डी कन्या विद्यालय अंबाला की छात्रा पिंकी को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। मोनो एक्टिंग में पं नेकीराम शर्मा महाविद्यालय रोहतक से छात्र सोनू कुमार पंडित ने प्रथम स्थान,टीआईटी कॉलेज भिवानी से छात्र जतिन कुमार ने द्वितीय एवं सीबीएलयू भिवानी से छात्र आदित्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की हरियाणा प्रांत शाखा के सदस्य एवं वैश्य महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

पांच लोगों पर हमले का आरोप, केस दर्ज

लोहारू। उपमंडल के गांव सुखदेव सिंह का बास निवासी एक व्यक्ति ने पांच लोगों पर लाठी डंडों से हमले का आरोप लगाया है। घायल को लोहारू के उपमंडल नागरिक अस्पताल में उपचार के बाद भिवानी रेफर कर दिया। घायल की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने आरोपी हमलावरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

घायल का भिवानी के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस को दिए बयान में सुखदेव ङ्क्षसह का बास गांव निवासी सुरेश ने बताया कि वह राजस्थान के निकटवर्ती गांव भावठड़ी से अपने गांव वापस लौट रहा था। इस दौरान ढाणी रहीमपुर के सरकारी स्कूल के पास चार-पांच युवकों ने उस पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। शोर मचाने पर सुरेश का भाई मौके पर पहुंच गया तथा हमलावर मौके से फरार हो गए।

स्लोगन एवं पोस्टर मेकिंग में मनु भाकर टीम प्रथम

लोहारू। स्थानीय सावित्रीबाई फुले राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के दौरान रविवार को छात्राओं ने योगाभ्यास किया। एनएसएस प्रभारी डॉ. निशा कुमार ने बताया कि शिविर के दौरान नशा मुक्त भारत और स्वच्छता अभियान पर स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें मनु भाकर टीम प्रथम, कल्पना चावला टीम द्वितीय तथा महिला शक्ति टीम तृतीय स्थान पर रही। छात्राओं ने लोहारू के गांव सुखदेव का बास में स्वच्छता अभियान से संबंधित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया ओर स्वच्छता अभियान रैली निकाल कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्राओं ने खूबी नगर गांव में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली और नशे के खिलाफ जागरूक किया।

पब्लिक हेल्थ की सीवर लाइन में से गैस की लाइन डालने का आरोप

नप के खुले दरबार में गूंजा गंदे पानी की सप्लाई का मुद्दा

नप ने दी लोगों को तीन करोड़ की सौगात,नहीं रहेगी कोई गली कच्ची : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नगरपरिषद ने वार्ड संख्या दस के लोगों के लिए बैंक कॉलोनी के शिव मंदिर पर खुला दरबार लगाकर समस्याएं सुनी। इस दौरान सबसे ज्यादा दूषित पेयजल की समस्या अजय कुमार पार्षद प्रतिनिधि और लोगों ने उठाई। लोगों का तर्क था कि सप्लाई के पानी में सीवर का पानी मिलकर पहुंचता है। जो कि किसी भी चीज के प्रयोग में नहीं लाया जा सकता है। इनके अलावा लोगों ने पब्लिक हेल्थ की सीवर लाइन में से गैस की लाइन डालने का आरोप लगा। जिस वजह से सीवर के पानी की निकासी नहीं हो पा रही है।

लोगों ने बताया कि विगत में गैस पाइप लाइन डाली गई तो लगता है उस वक्त रोहतक गेट से सीवर लाइन को तोड़कर उन्होंने गैस की पाइप लाइन डाल दी। जिस वजह से कई जगहों पर पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन भी टूट गई। जिसके चलते पेयजल सप्लाई का दूषित पानी भी पहुंचने लगा है। लोगों ने बताया कि दूषित पेयजल सप्लाई से लोगों को पेट की बीमारी अपनी जकड़न में ले रही है। खुले दरबार में बताया कि इस बारे में कई बार पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से शिकायत की,लेकिन तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है। इस मौके पर पार्षद कर्मबीर यादव, अजय, राजेंद्र सिंह, बींद्र, सजयं सिंह, अशोक, रमेश सोनी, मदन, राकेश जलंधरा के अलावा अनेक क्षेत्र के लोग मौजूद थे।

भिवानी। खुले दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह तथा नारियल फोड़कर तीन करोड़ के विकास कार्यो का शुभारंभ करते हुए।

मूलभूत सुविधाओं को तरसते बाहरी कॉलोनी के लोग

इस दौरान लोगों ने बताया कि वार्ड संख्या दस की बाहरी कॉलोनियों को अभी तक वैध नहीं किया गया है,जबकि इन कॉलोनियों में करीब 30 से 40 साल पहले से लोग के निवास है। चूंकि बाहरी कॉलोनियों के नियमित न होने की वजह से वहां पर लोगों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। बिजली, पानी व सीवर की लाइन न होने की वजह से लोगों को अनेक तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने उनकी सभी मांग जल्द पूरी करवाए जाने का भरोसा दिलाया तथा बताया की कॉलोनी के नियमित कराने में प्रयासरत है जल्दी ही ये कॉलोनी नियमित होगी ।

नप ने दी तीन करोड़ की सौगात

लोगों की समस्याएं सुनने व उनका निराकरण करवाने के बाद नगरपरिषद की तरफ से नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़क के निर्माण कार्य का नारियल फोडकर श्रीगणेश करवाया। यह रोड त्रिवेणी रोड से शुरू होकर लालू फैक्टरी होते हुए अंतिम छोर तक बनवाई जाएगी। इनके अलावा नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने करीब 50 लाख रुपये की नेशनल जिम वाली गलियों के निर्माण कार्य शुरू करवाया। इन गलियों के बनने के बाद उक्त इलाके की अधिकांश गलियां पक्की हो जाएगी।

क्या कहते है चेयरपर्सन प्रतिनिधि : *नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज वार्ड संख्या दस में खुला दरबार लगाया गया। इस दौरान लोगों की दूषित पेयजल व कॉलोनियों को वैध कराए जाने की समस्या रखी। चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि दूषित पेयजल व सीवर की समस्या को लेकर पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से बातचीत की गई है। उन्होंने जल्द समस्या का निराकरण करवाए जाने का भरोसा दिलाया है। उन्होंने बताया कि शहर की सीवर, पेयजल व पुराने बुस्टर तथा जलघरों के निर्माण के लिए करीब सवा दो सौ करोड़ रुपये की राशि का बजट जारी करवाया गया है। यह कार्य विधायक घनश्याम सर्राफ की बदौलत हुआ है। ये कार्य होने के बाद भिवानी शहर में किसी तरह की कोई समस्या नहीं रहेगी।*

न्यूज डायरी

भिवानी में गरजे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र

भिवानी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने रविवार को भिवानी का दौरा किया और विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद भिवानी पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। राव नरेंद्र सिंह ने सीधे तौर पर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उसे हर मोर्चे पर विफल करार दिया। राव नरेंद्र सिंह के भिवानी आगमन पर बामला टोल प्लाजा पर भारी उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप जोगी के नेतृत्व में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम को देखते हुए राव नरेंद्र सिंह ने उन्हें संबोधित किया और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए पूरी मजबूती से जुटने के निर्देश दिए।

विजय सैनी बने भिवानी सैनी सभा के जिलाध्यक्ष

बहल। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा की बैठक बहल की सैनी धर्मशाला में हुई। बैठक में सभा पदाधिकारियों ने संगठन का विस्तार करते हुए समाजसेवी विजय सैनी को भिवानी सैनी समाज का जिलाध्यक्ष बनाने की घोषणा की। रविवार को बैठक में राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष जसबीर सैनी नें समाज के मौजूद लोगो की सहमति पर उन्हें ये जिम्मेदारी सौंपते हुए नियुक्ति पत्र दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि वे सबको साथ लेकर धरातल पर समाज के लिए काम करेंगे। सैनी ने कहा की राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा के संगठन में काम करने वाले व ज़मीन से जुड़े लोगो को ज़िम्मेदारी दी जायेगी, ताकि समाज को राजनितिक तौर पर मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना है। नियुक्ति पर जिला अध्यक्ष विजय सैनी ने कहा की वे पूरी ईमानदारी से सबको साथ लेकर निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करेंगे। ओ इस अवसर पर सोनीपत जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सैनी, प्रदेश महासचिव धर्मबीर सैनी,शिव कुमार, महावीर प्रधान, विनोद सैनी आदि समेत काफी संख्या में मौजूद रहे।

सांस्कृतिक उत्सव में किया धमाल

चरखी दादरी। बिरोहड स्थित एचडी स्कूल के संस्कार सभागार में प्राथमिक कक्षाओं का वार्षिक उत्सव 'उत्कर्ष' बड़े हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की। इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी, जिनमें स्वच्छता की ज्योत, सेव वाटर, ओल्ड इज गोल्ड, बेजुबान, ये तो सच है कि भगवान है, 70 का हरियाणा, मां भंगड़ा, रंगीलो म्हारो ढोलना, सन्देशे आते हैं, जय-जय हरियाणा, जैसी करणी-वैसी भरणी आदि देशभक्ति गीत, लोकनृत्य, समूह गायन एवं नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों के आत्मविश्वास, मंचीय अनुशासन एवं प्रस्तुति कौशल की अभिभावकों और अतिथियों ने सराहना की। कक्षा तीसरी से पांचवी तक के प्रत्येक विद्यार्थी ने उत्कर्ष प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

संपूर्णता अभियान को लेकर सभी विभागों ने कसी कमर

बाढड़ा। नीति आयोग के अंतर्गत संचालित अकांक्षी खंड कार्यक्रम के तहत संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत सभी विभागों में समयबद्ध विकास व आमजन को संपूर्ण लाभ पहुंचाने के लिए सभी शर्तो को पूरा करने के लिए सभी विभागों पद दबाव बढ़ गया है। कस्बे के उपमंडल कार्यालय में एसडीएम आशीष सांगवान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संपूर्णता अभियान को लेकर आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार की गई। प्रदेश के पिछले सत्र में राज्य स्तर पर अव्वल रहे चरखी दादरी जिले में अभियान का शुंभारंभ सोमवार आज दो फरवरी को खंड विकास अधिकारी परिसर बाढड़ा में किया जाएगा। यह अभियान खंड के समग्र विकास, सामाजिक सूचकों में सुधार तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास होंगे। कार्यक्रम में एसडीएम बाढड़ा आशीष सांगवान, सीएमजीजीए यशोवर्धन गाड़ेकर, बीडीपीओ बाढड़ा दीपक शर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील इंजिनियर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

60 लाख की परियोजनाओं का किया उद्घाटन

चरखी दादरी। भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने दादरी विधानसभा क्षेत्र के गांव रामपुरा, डोहका मौजी व डोहका दीना में करीब 60 लाख रुपये की लागत से होने वाली विभिन्न ग्रामीण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश में नायब सरकार ग्रामीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और आने वाले बजट में गांवों के लिए और अधिक योजनाओं को मंजूरी दी जाएगी। विधायक सुनील सांगवान ने गांव रामपुरा में नाला निर्माण तथा लाइब्रेरी निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान होगा और युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष व जिला परिषद सदस्य सुनील इंजीनियर भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपनी जिला परिषद ग्रांट से गांवों में विकास कार्य करवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि संगठन और जनप्रतिनिधि मिलकर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ऋषभ ने चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र का किया दौरा

- ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यतिथि का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा राज्य भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के चंद्रशेखर आज़ाद ओपन गुरप भिवानी के लिए बीती रात एक गौरवपूर्ण अवसर रही। इस दौरान मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ऋषभ रंजन ने गुरप के स्काउट कार्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र का दौरा कर गतिविधियों का जायजा लिया। कार्यालय पहुंचने पर ग्रुप लीडर सागर सज्जन सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यतिथि का स्वागत किया। इसके उपरांत सीनियर रोवर नितेश कुमार के नेतृत्व में बैंड की धुनों के साथ माननीय अतिथि को गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जो स्काउटिंग परंपरा की गरिमा और अनुशासन का प्रतीक रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप कोऑर्डिनेटर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री अवार्डी लक्ष्मण गौड़ एवं सागर सज्जन सिंह ने की। निरीक्षण के दौरान रंजन ने केंद्र की विभिन्न सुविधाओं को बारीकी से देखा। अमित ने ई-पुस्तकालय की महत्ता बताते हुए जानकारी दी कि यहां यूपीएससी, एलएलबी, स्नातक, स्नातकोत्तर और एनसीईआरटी की उच्च स्तरीय पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो स्थानीय विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षाओं में मदद कर रही हैं। गाइड एवं रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी ने छायाचित्रों के माध्यम से ग्रुप द्वारा संचालित वर्तमान कार्यक्रमों और उपलब्धियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण गणतंत्र दिवस 2026 की परेड में भाग लेने वाले स्काउट्स और रोवर्स का उत्साहवर्धन रहा। ऋषभ रंजन ने युवाओं के साथ रात्रि भोज किया और उनके अनुभवों को सांझा किया।

भिवानी। चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र का दौरा करते मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ऋषभ रंजन। फोटो : हरिभूमि

महापंचायत संस्कारों की वापसी यत्न, खावा गांव की महापंचायत ने फूंका नैतिक क्रांति का बिगुल

31 सदस्य कमेटी गठित, सामाजिक कुरीतियों और नशे की लत के खिलाफ लेगी ठोस निर्णय

खास बातें

- युवाओं को पथभ्रष्ट होने से बचाने व नशे पर नकेल लगाने के लिए 36 बिरादरी की महापंचायत आयोजित
- युवाओं का पथभ्रष्ट होना केवल एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की हार : युद्धवीर सिंह खरेटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

आधुनिकता की अंधी दौड़ और सोशल मीडिया के मायाजाल में फंसकर अपनी जड़ों से कट रहे युवाओं को बचाने के लिए गांव खावा में 36 बिरादरी की महापंचायत आयोजित की गई। इस महापंचायत का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ रही कुरीतियों, नशे की लत और भटकते युवाओं को पुनः सही मार्ग पर लाना है।

भिवानी। आयोजित महापंचायत में लोगों को संबोधित करता एक वक्ता।

इस महापंचायत में केवल चर्चा ही नहीं हुई, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव के लिए एक 31 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी की कार्यप्रणाली को लेकर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसके तहत यह कमेटी पूरी तरह से पंजीकृत होगी, ताकि इसके पास कानूनी और सामाजिक मान्यता हो। स्कूल और कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जाएगी ताकि शिक्षा से भटकाव को रोका जा सके। इसके अलावा अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बाहरी व्यक्ति किसी बच्चे की गलती बताता है, तो अभिभावक इसे अपमान समझकर टकराने लगते हैं। यह कमेटी एक सेतु का काम करेगी और बड़ी ही शालीनता व तथ्यों के साथ माता-पिता को जागरूक करेगी।

बढ़ते नशे को बताया गंभीर समस्या

महापंचायत को संबोधित करते हुए युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने समाज की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि आज हमारा समाज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां युवाओं का पथभ्रष्ट होना केवल एक परिवार की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की हार है। नशे की गिरफ्त और मर्यादाओं का उल्लंघन हमारे भविष्य को खोखला कर रहा है। हम चुप रहकर अपने विनाश का तमाशा नहीं देख सकते। खावा गांव से शुरू हुई यह मुहिम उन बच्चों के लिए एक सुरक्षा कवच बनेगी जो रास्ता भटक चुके हैं। खावा गांव की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि जब सरकारी तंत्र और कानून की सीमाएं समाप्त होती हैं, तो समाज को स्वयं आगे आकर अपनी रक्षा करनी पड़ती है। संस्कार और सतर्कता के इस मॉडल को यदि अन्य गांवों ने भी अपनाया, तो निश्चित रूप से एक स्वस्थ समाज की परिकल्पना साकार हो सकेगी। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश ढुल, दयानंद नंबरदार, महेंद्र सिंह नंबरदार, सभी पंच व समाज के मौजिज व्यक्ति मौजूद रहे।

ये रहे कमेटी में शामिल

कमेटी में भरत सिंह, युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा, राजबीर, धर्मा पंडित, श्यामु, महेंद्र नंबरदार, भजनलाल, बलवान, मेवा सिंह, धर्मपाल, जगदीश धानक, प्रदीप धानक, सुनील, अजीत, श्रीभगवान, मोहनलाल, श्रवण, सूबे सिंह, बिजेराम, राजपाल सांगवान, कुलदीप भाकर, विजय सिह, मान सिंह, सूरजभान नांगल, राजेश, सुनील, लीलू राम, बलबीर, दयानंद, जगदीश, धर्मबीर, महेश को सदस्य नियुक्त किया गया।